

## पेरू में 4,000 वर्ष पुराना मंदिर

[स्रोत: टाइम्स ऑफ इंडिया](#)

पुरातत्त्वविदों के एक दल ने प्रशांत महासागर के पास उत्तरी **पेरू** के **लाम्बायेक क्षेत्र** के जाना नामक स्थान पर रेत के टीले में दबे **4,000 वर्ष पुराने एक अनुष्ठानिक मंदिर** का पता लगाया है, जिसमें कंकाल के अवशेष मिले हैं, जिनसे पता चलता है कि यह प्राचीन धार्मिक अनुष्ठानों के लिये चढ़ावा चढ़ाया जाता था।

- **बहुमंजलि इमारत के भीतर तीन वयस्कों के कंकाल मिले**। अवशेषों में से एक के साथ प्रसाद भी रखा हुआ था और संभवतः उसे लनिन या कपड़े में लपेटा गया था।
- एक मंदिर की दीवार पर एक उच्च-उभरा चित्र एक पौराणिक आकृतिको दर्शाता है, जिसमें मानव शरीर और पक्षी का सरि है, जो **कूरिव-हसिपैनिकि चावनि संस्कृति** से पहले का है।
  - **चावनि सभ्यता** 900-250 ईसा पूर्व के बीच पेरू के उत्तरी **एंडियन हाइलैंड्स** में विकसित हुई थी। यह **मोस्ना घाटी** में स्थित थी, जहाँ मोस्ना और हुआचेसा नदियाँ मिलती हैं। यह अब **युनेस्को की विश्व धरोहर स्थल** (चावनि डी हुआंतार) है।
- **नकिटवर्ती उत्खनन से मोचे संस्कृति** से संबंधित एक अन्य मंदिर का पता चला, जो लगभग 1,400 वर्ष पुराना है।
  - **मोचे संस्कृति**, जिसे **मोचिका संस्कृति** के नाम से भी जाना जाता है, पेरू के उत्तरी तट पर लगभग **100 ई. से 800 ई. के बीच** फली-फूली। पेरू के शुष्क उत्तरी तट के साथ नदी घाटियों में फली-फूली।
- **उत्तरी पेरू पवतिर शहर कैरल (5,000 वर्ष पुराना)** जैसे प्राचीन समारोह परिसरों के लिये जाना जाता है।
  - पेरू का सबसे प्रमुख पुरातात्विक स्थल **इंका सटिडेल माचू पचिचू (Incan citadel Machu Picchu)** है, जिसका निर्माण 15वीं शताब्दी के मध्य में हुआ था।

# विश्व की प्रमुख सभ्यताएँ

## मेसोपोटामिया, 4000-3500 ईसा पूर्व

- इसका उद्गम आधुनिक इराक और ईरान, सीरिया, कुवैत और तुर्की के कुछ भाग, टाइग्रिस और यूफ्रेट्स नदियों के बीच हुआ
- इसे सभ्यता के उद्गम स्थल के रूप में जाना जाता है
- अपनी लिपि, देवताओं और महिलाओं पर विचारों वाली संस्कृतियों का विविध संग्रह
- समृद्ध सांस्कृतिक और धार्मिक परिदृश्य को दर्शाते हुए, धर्म, कानून, चिकित्सा और ज्योतिष जैसे विषयों पर ध्यान केंद्रित करने वाली **अत्यधिक सम्मानित शिक्षा प्रणाली**
- पुरुष तथा महिला दोनों विविध व्यवसायों में शामिल** थे, जिनमें कृषि के साथ-साथ मुंशी, चिकित्सक, कारीगर, बुनकर, कुम्हार आदि जैसी भूमिकाएँ भी शामिल थीं।
- महिलाओं को समान अधिकार प्राप्त थे और वे जमीन की मालिक भी हो सकती थीं, तलाक के लिये याचिका लगा सकती थीं, आदि
- मीनारें**, सीढ़ीदार पिरामिड मंदिरों के **आसपास बसे हुए शहर** के निवासी अपने संरक्षक देवता का सम्मान करते थे
- धूप में सुखाई गई ईंटों** से निर्मित शहर, विश्व के पहले शहर थे।

## प्राचीन मिस्र, 3100 ईसा पूर्व

- नील नदी** के तट पर स्थित
- पिरामिडों, कब्रों और मकबरों** के लिये सबसे अधिक जाना जाता है, जिसमें शवों को मृत्यु के पश्चात् के जीवन हेतु तैयार करने के लिये ममीकरण किया जाता है।
- इसने स्मारकीय लेखन और गणित प्रणालियों की विरासत छोड़ी
- सभ्यता **332 ईसा पूर्व में** सिकंदर महान की विजय के साथ **समाप्त** हो गई

## सिंधु घाटी सभ्यता, 3300 ईसा पूर्व

- यह आधुनिक भारत, अफगानिस्तान और पाकिस्तान में स्थित है
- अन्य प्राचीन सभ्यताओं की तुलना में अपेक्षाकृत शांतिपूर्ण, व्यापक युद्ध के बहुत कम साक्ष्य प्राप्त हुए हैं
- संगठित शहर की योजना, एकसमान पकी-ईंट वाले घरों**, एक ग्रिड संरचना और जल निकासी, सीवेज और जल आपूर्ति प्रणालियों से परिपूर्ण
- 1800 ईसा पूर्व के आसपास इसका पतन** हुआ, मृत्यु के पीछे के वास्तविक कारणों पर अभी भी परिचर्चा होती है (ये सिद्धांत पतन के लिये आर्य आक्रमण या जलवायु एवं प्राकृतिक कारणों को प्रस्तावित करते हैं)

## प्राचीन चीन, 2000 ईसा पूर्व

- हिमालय पर्वत, प्रशांत महासागर और गोबी रेगिस्तान द्वारा संरक्षित, **यलो और यांग्ज़ी नदियों के बीच स्थित**
- सदियों तक आक्रमणकारियों और अन्य विदेशियों से संघर्ष में फला-फूला
- सामान्यतः चार राजवंशों में विभाजित - **ज़िया, शांग, झोउ और किन** - प्राचीन चीन पर एक के बाद एक सम्राटों का शासन था।
- दशमलव प्रणाली, अबेकस और धूपघड़ी** के साथ-साथ **प्रिंटिंग प्रेस** को विकसित करने का श्रेय दिया जाता है
- बड़े पैमाने पर बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं के निर्माण के लिये आबादी को संगठित किया (मिस्रवासियों के समान)



Drishti IAS

//

और पढ़ें: [प्राचीन माया शहर की खोज](#)